

अनमोल दावा

“अपनी पीड़ा के लिए संसार को दोष मत दो अपने मन को समझाओ क्योंकि तुम्हारे मन परिवर्तन ही तुम्हारे दुखों का अंत है।”

मतदान का फीसद बढ़ाने के लिए निर्वाचन आयोग की कोशिशें स्वागत योग्य

कम मतदान की समस्या से वित्तित निर्वाचन आयोग ने इस बार के आम चुनाव में देश के ग्यारह राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों की दो सौ छियासउ सीटों की पहचान की है, जहां पिछले आम चुनाव में मतदान का फीसद शारीर औसत यानी 67.40 से भी कम रहा था।

लोकसभा और विधानसभा चुनावों में जिस तरह बढ़-चढ़ कर प्रचार-प्रसार किया जाता है, उससे यही लगता है कि ज्यादात लोग मतदान करने निकलेंगे। मगर हर बार मतदान का आंक? कहुत उत्साहजनक नहीं रहता है। कई इलाकों में तो कुल मतदाताओं का आधा भी मतदान केंद्रों तक नहीं पहुंचता है।

ऐसे में डाले गए मतों के आधार पर ही किसी सीट पर उम्मीदवारों की जीत और हार का फैसला होता है। जबकि संभव है कि मतदान का फीसद ऊंचा हो तो उसमें नीतियों का स्वरूप कुछ और सामने आए। हालांकि निर्वाचन आयोग का तरफ से भी मतदाताओं को मतदान में बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है, लेकिन ये सारी कावयदें ज्यान पर उत्तरी नहीं दिखती हैं। लोकतांत्रिक अपेक्षाओं और कस्टैटियों के लिहाज से यह एक चिंताजनक स्थिति है।

कम मतदान की समस्या से वित्तित निर्वाचन आयोग ने इस बार के आम चुनाव में देश के ग्यारह राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों की दो सौ छियासउ सीटों की पहचान की है, जहां पिछले आम चुनाव में मतदान का फीसद शारीर औसत यानी 67.40 से भी कम रहा था। इन सीटों में दो सौ पंद्रह ग्रामीण और इक्यावन शहरी संसदीय क्षेत्र शामिल हैं।

अब आयोग ने खासकर इन सीटों पर मतदान के फीसद में बढ़ोतारी की कोशिशें तेज कर दी हैं। यों देश भर में अगर सिर्फ दो तिहाई मतदाताओं के अधिकार का प्रयोग कर पाते हैं, तो यह कोई आदर्श स्थिति नहीं है, लेकिन अफसोस की बात यह है कि लोकसभा की लागभग आपी सीटों पर इससे भी कम मतदान होता है।

समझा जा सकता है कि उन इलाकों में जीतने वाले उम्मीदवार किनते लोगों की नुआंदंगी करते होंगे। लोकतंत्र में मतदान के अधिकारों के प्रति जागरूकता में कमी या अन्य वजहों से अगर इनी बड़ी तादाद में मतदान चुनाव प्रक्रिया से बाहर रह जाते हैं, तो यह सोचने की जरूरत है कि शासन के ढांचे में कुल कितनी आवादी की भागीदारी है। ऐसी स्थिति में मतदान का फीसद बढ़ाने के लिए निर्वाचन आयोग की कोशिशें स्वागत योग्य हैं, लेकिन इसका वास्तविक नीतियां भी जीमी पर भी दिखना चाहिए।

सामग्रिक चर्चा

सलाह के आड़े आता है अंहंकार

खबर पढ़ कर, बानी बोले—“गजाधर!! पालिटिकल स्ट्रेटजिस्ट प्राप्ति किशोर ने

न्यूज एंजेंसी पीटीआई के जरिए

राहुल गांधी को अच्छी सलाह दी है,

जो हाँ भी ठीक लगती है।

वह यह कि 2024 लोकसभा चुनाव में अगर

उम्मीदी के अनुसार नीति नहीं मिले?

तो उहाँ (राहुल गांधी की) राजनीति से ब्रेक लेने पर चिचार करना चाहिए।”

गजाधर! कहाँहीं पैके की सलाह पर

आपको क्या कहना चाहिए?“

गजाधर! मुकराए, बोले—“बानी!

एक सामाजिक सिद्धांत की बातें यही कहती है

कि एक की सलाह, दूसरे को अच्छी नहीं लगती है।

पिन नीता को तो...

अब राहुल गांधी को ही लो!

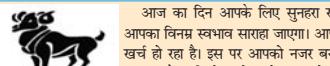
और पिन राहुल गांधी नेता नहीं,

हाँ फ्रॉफाईल नेता हैं यार!

तो उक्का, वर्चों का सचिव अंहंकार

कैसे कर लेगा, ऐसी सलाह को स्वीकारा?”

— गिरिश बर्डारी



आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है।

आपका स्वभाव साराहा जाता है। आप बान कहे खबर हो रही है। इस पर आपके नेतृत्व बनाने की जरूरत है, नहीं तो आप वाले समय में आपको थोड़ी परेशानी हो सकती है। अब आपको बेकार का नाम लेने को अल्पात्मक देखा जाए।

वाले होंगे जो देश के ग्यारह राज्यों और केंद्रशासित ग्रामीण क्षेत्रों की ज्यादात लोगों की पहचान की बातें।

इस दिन आपको बड़ी देश के ग्यारह राज्यों में दो सौ छियासउ सीटों की पहचान की बातें।

आपको आपके लिए एक बड़ा देश के ग्यारह राज्यों में दो सौ छियासउ सीटों की पहचान की बातें।

आपको आपके लिए एक बड़ा देश के ग्यारह राज्यों में दो सौ छियासउ सीटों की पहचान की बातें।

आपको आपके लिए एक बड़ा देश के ग्यारह राज्यों में दो सौ छियासउ सीटों की पहचान की बातें।

आपको आपके लिए एक बड़ा देश के ग्यारह राज्यों में दो सौ छियासउ सीटों की पहचान की बातें।

आपको आपके लिए एक बड़ा देश के ग्यारह राज्यों में दो सौ छियासउ सीटों की पहचान की बातें।

आपको आपके लिए एक बड़ा देश के ग्यारह राज्यों में दो सौ छियासउ सीटों की पहचान की बातें।

आपको आपके लिए एक बड़ा देश के ग्यारह राज्यों में दो सौ छियासउ सीटों की पहचान की बातें।

आपको आपके लिए एक बड़ा देश के ग्यारह राज्यों में दो सौ छियासउ सीटों की पहचान की बातें।

आपको आपके लिए एक बड़ा देश के ग्यारह राज्यों में दो सौ छियासउ सीटों की पहचान की बातें।

आपको आपके लिए एक बड़ा देश के ग्यारह राज्यों में दो सौ छियासउ सीटों की पहचान की बातें।

आपको आपके लिए एक बड़ा देश के ग्यारह राज्यों में दो सौ छियासउ सीटों की पहचान की बातें।

आपको आपके लिए एक बड़ा देश के ग्यारह राज्यों में दो सौ छियासउ सीटों की पहचान की बातें।

आपको आपके लिए एक बड़ा देश के ग्यारह राज्यों में दो सौ छियासउ सीटों की पहचान की बातें।

आपको आपके लिए एक बड़ा देश के ग्यारह राज्यों में दो सौ छियासउ सीटों की पहचान की बातें।

आपको आपके लिए एक बड़ा देश के ग्यारह राज्यों में दो सौ छियासउ सीटों की पहचान की बातें।

आपको आपके लिए एक बड़ा देश के ग्यारह राज्यों में दो सौ छियासउ सीटों की पहचान की बातें।

आपको आपके लिए एक बड़ा देश के ग्यारह राज्यों में दो सौ छियासउ सीटों की पहचान की बातें।

आपको आपके लिए एक बड़ा देश के ग्यारह राज्यों में दो सौ छियासउ सीटों की पहचान की बातें।

आपको आपके लिए एक बड़ा देश के ग्यारह राज्यों में दो सौ छियासउ सीटों की पहचान की बातें।

आपको आपके लिए एक बड़ा देश के ग्यारह राज्यों में दो सौ छियासउ सीटों की पहचान की बातें।

आपको आपके लिए एक बड़ा देश के ग्यारह राज्यों में दो सौ छियासउ सीटों की पहचान की बातें।

आपको आपके लिए एक बड़ा देश के ग्यारह राज्यों में दो सौ छियासउ सीटों की पहचान की बातें।

आपको आपके लिए एक बड़ा देश के ग्यारह राज्यों में दो सौ छियासउ सीटों की पहचान की बातें।

आपको आपके लिए एक बड़ा देश के ग्यारह राज्यों में दो सौ छियासउ सीटों की पहचान की बातें।

आपको आपके लिए एक बड़ा देश के ग्यारह राज्यों में दो सौ छियासउ सीटों की पहचान की बातें।

आपको आपके लिए एक बड़ा देश के ग्यारह राज्यों में दो सौ छियासउ सीटों की पहचान की बातें।

आपको आपके लिए एक बड़ा देश के ग्यारह राज्यों में दो सौ छियासउ सीटों की पहचान की बातें।

आपको आपके लिए एक बड़ा देश के ग्यारह राज्यों में दो सौ छियासउ सीटों की पहचान की बातें।

आपको आपके लिए एक बड़ा देश के ग्यारह राज्यों में दो सौ छियासउ सीटों की पहचान की बातें।

आपको आपके लिए एक बड़ा देश के ग्यारह राज्यों में दो सौ छियासउ सीटों की पहचान की बातें।

आपको आपके लिए एक बड़ा देश के ग्यारह राज्यों में दो सौ छियासउ सीटों की पहचान की बातें।

आपको आपके लिए एक बड़ा देश के ग्यारह र

